



एक™

मिनट गवाह
आसान विश्वास-साझाकरण

अगर ईश्वर आपसे हर दिन एक मिनट देने के लिए कहे, तो क्या आप इसके लिए तैयार होंगे?

क्या आप खुश नहीं हैं कि किसी ने आपके साथ अपना विश्वास साझा किया? यदि यीशु ही उत्तर है, तो क्या हमें इस टूटे हुए संसार में दूसरों के साथ सक्रिय रूप से उनके समाधान को साझा नहीं करना चाहिए?

“मैं? मेरा विश्वास साझा करें?”

हाँ—परमेश्वर ने आपको और मुझे अपना राजदूत, अपनी आवाज़, अपना धड़कता हुआ हृदय चुना है। क्यों? क्योंकि उसके जीवन-परिवर्तनकारी प्रेम का आपसे और मुझसे बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है! हम उसकी कृपा की ट्रॉफी हैं।

शायद आप सोच रहे होंगे कि “सुसमाचार प्रचार बहुत कठिन है,” या “यह पादरी का काम है।”

ये विचार और भय नये नहीं हैं। वे बस हमारी अपनी असुरक्षाओं के प्रति रचनात्मक सोच और आध्यात्मिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। परमेश्वर सभी विश्वासियों को अपना विश्वास बाँटने के लिए आमंत्रित करता है। अपना विश्वास बाँटने से न केवल प्राप्तकर्ता को आशीर्वाद मिलता है—बल्कि हमें भी आशीर्वाद मिलता है।

आइये हम असुरक्षा की उस आवाज को बंद करने का निर्णय लें और ईश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमें उसकी करुणा की आवाज सुनने के लिए कान प्रदान करें!

हम सभी यह कर सकते हैं। हम सभी के पास एक कहानी होती है, और यह एक मिनट गवाह™ उपकरणों इसे मज़ेदार और आसान बनाता है। इस एक मिनट गवाह™ उपकरणों को सीखने और लागू करने के बाद, एक पादरी ने कहा:

“सोचिए, मैंने अपने विश्वास को दूसरों के साथ साझा न करके इतने साल बर्बाद कर दिए। अब मैं रोज़ाना पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐसा कर सकता हूँ।”

... और आप भी ऐसा कर सकते हैं!


टॉम एली



पवित्र आत्मा को आमंत्रित करना

एक मिनट गवाह™ उपकरणो एक सरल साधन है जो आपको यीशु की जीवन-परिवर्तनकारी कहानी साझा करने में मदद करता है। यह संदेश नहीं है। हमारा भरोसा पवित्र आत्मा की अगुवाई और “सब लोगों को अपनी ओर खींचने” की उसकी क्षमता पर होना चाहिए। (यूहन्ना 12: 32)

यीशु अक्सर अजनबियों से मिलते थे—जैसे कुएँ पर बैठी स्त्री, पेड़ पर बैठा जक्कड़, और कर वसूलने वाला मत्ती। अन्य समयों में, वह पहले रिश्ते बनाता था और फिर उन्हें साझा करता था। लेकिन हर मामले में, वह परमेश्वर की आवाज़ का पालन करने के लिए तत्पर था, और करुणा ने हमेशा उसे मजबूर किया।

तो आप अपना विश्वास कब, कैसे और किसके साथ साझा करते हैं? प्रत्येक दिन की शुरुआत इस प्रार्थना से करें:

“प्रभु, मैं आज उपलब्ध हूँ।”



एक

मिनट गवाह उपकरणों

- | | |
|--|-------|
| १. अनुमति | पृष्ठ |
| क्या मैं आपसे एक प्रश्न पूछ सकता हूँ? | ६ |
| २. यीशु से पहले (बी.सी.) | |
| मेरे जीवन में एक समय ऐसा भी था जब... | ८ |
| ३. (टी.पी.)मोड़ | |
| और फिर एक दिन... | |
| जब मुझे एहसास हुआ कि यीशु
मेरे पापों के लिए मरे, मैं... | १० |
| ४. निर्णय के बाद (ए.डी.) | |
| जब से मैं यीशु से मिला हूँ, मैं... | १२ |
| ५. यदि मैं यीशु से कभी नहीं मिला होता, | १४ |
| तो मैं... | |



अनुमति

क्योंकि परमेश्वर लोगों से प्रेम करता है, वह चाहता है कि हम उन्हें यीशु के बारे में बताएँ, चाहे वे अजनबी हों या दोस्त। शुरुआत करने का एक बेहतरीन तरीका यह है:

अनुमति

जब हम लोगों से अपने विचार साझा करने की अनुमति मांगते हैं, तो हम उनके साथ सम्मान से पेश आते हैं, और उनकी रक्षात्मकता कम हो जाती है। यहाँ आपकी बातचीत को बदलने का कुछ तरीका बताया गया है। —>



(कोई प्रश्न चुनें या अपना स्वयं लिखें।)

“मैं एक असाइनमेंट पर काम कर रहा हूँ। क्या मैं आपसे एक प्रश्न पूछ सकता हूँ?”

“आपके साथ अब तक घटित हुई सबसे अच्छी बात क्या है?”

“क्या मैं आपको अपने जीवन की सबसे अच्छी बात बता सकता हूँ?”

“मुझे पता है कि हमारी दुनिया में बहुत भय है। क्या मैं आपको बता सकता हूँ कि मैं अपने भय पर कैसे विजय पाता हूँ?”

“आज मैं आपको छोड़ने से पहले, क्या आपके पास मेरी कहानी सुनने के लिए एक क्षण है?”



एक
मिनट गवाह

इन ५ आसान चरणों को याद रखने के लिए अपनी उंगलियों का उपयोग करें!



यीशु से पहले

(बी.सी.)

अपनी बी.सी. कहानी शुरू करने के लिए पृष्ठ १६ देखें।

हम सबके पास यीशु से मिलने से पहले की एक कहानी है।

यह हमारा 'बी.सी' क्षण है। अपने जीवन के उस दौर के बारे में सोचिए जब आपको सब कुछ खाली, अनिश्चित या टूटा हुआ सा लग रहा था। यहीं से आपकी कहानी शुरू होती है।

यीशु से मिलने से पहले अपनी पापपूर्ण और टूटे हुए आदतों का वर्णन कीजिए।

अपने वाक्य की शुरुआत इस तरह करें:

**“मेरे जीवन में एक समय
ऐसा भी था जब...”**





शायद आप अकेले थे, निराश थे या आपमें उद्देश्य की कमी थी। हो सकता है कि आपको बिना किसी महत्व, अपराधबोध या चिंता के सफलता मिली हो। हो सकता है कि आप ज़िंदगी में निराश हों, ईश्वर से नाराज़ हों, या मरने से डरते हों। यह सूची और भी लंबी है।

शायद आपने युवावस्था में ही अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दिया था और आपको रूपांतरण का कोई विशेष क्षण याद नहीं है। आपको शायद क्षमा की आवश्यकता, अपराध बोध की भावना, तथा यह जानना याद होगा कि ईश्वर अवश्य है।

जैसे-जैसे आप अपने बी.सी. के दिनों को याद करते हैं, आपकी कहानी आकार लेने लगती है। आगे बढ़ें और पृष्ठ १६ पर दिए गए इस वाक्य को पूरा करें।

इसके लिए तीन विशेषण या वाक्यांश लिखें:

“मेरे जीवन में एक समय ऐसा भी था जब...”



मोड़ (टी.पी.)

“और फिर एक दिन...”

यही वह क्षण था जब सब कुछ बदल गया। आपका मोड़ वह है जब आपको एहसास हुआ कि यीशु कौन है और उसने आपके लिए क्या किया है।

हो सकता है कि किसी ने आपके साथ सुसमाचार साझा किया हो। हो सकता है कि आपने किसी कठिन समय में परमेश्वर को पुकारा हो, या उसके प्रेम का अनुभव इस तरह किया हो जिसे आप अनदेखा नहीं कर सकते।



यहाँ एक टी.पी. उदाहरण दिया गया है:

“एक दिन किसी ने मुझे एक ऐसे परमेश्वर के बारे में बताया जो सचमुच मुझसे प्यार करता है। यह परमेश्वर व्यक्तिगत था, दूर नहीं, और उसने मुझे हमेशा के लिए अपने साथ स्वर्ग में रहने के लिए आमंत्रित किया। लेकिन मेरे सामने एक समस्या थी। स्वर्ग परिपूर्ण है, और मैं नहीं, इसलिए मैं अंदर नहीं जा सका।

लेकिन परमेश्वर ने मेरे लिए एक रास्ता निकाला। उसने अपने पुत्र, यीशु मसीह को मेरे पापों की सज़ा चुकाने के लिए भेजा। जब मुझे एहसास हुआ कि यीशु मेरे पापों के लिए मरा और फिर से जी उठा, तो मैंने उसे अपने जीवन का अगुवा बनने के लिए आमंत्रित किया।”

आपका मोड़ क्या था?

आपने यीशु के बारे में कैसे सुना?

आपने यीशु से अपने जीवन में क्या करने के लिए कहा?

इसे पृष्ठ १७ पर लिखें।



निर्णय के बाद

(ए.डी.)

अपनी ए.डी. कहानी शुरू करने के लिए पृष्ठ १८ देखें।

ए.डी. का अर्थ है निर्णय के बाद।

यह हमारी कहानी का सबसे आसान और मज़ेदार हिस्सा है, क्योंकि हमें मसीह द्वारा हमारे जीवन में किये गए सकारात्मक परिवर्तन के बारे में बात करने का मौका मिलता है।

आपकी सोच में क्या बदलाव आया है? तनाव, रिश्तों या उद्देश्य को संभालने के आपके तरीके में क्या बदलाव आया है?

हो सकता है कि आपने नई शांति, आनंद, नए मित्र, क्षमा या स्वर्ग की प्रतिज्ञा का अनुभव किया हो!

जो आपके लिए वास्तविक और प्रामाणिक है, उस पर ध्यान केंद्रित करें। इसे संक्षिप्त और व्यक्तिगत रखें।



अपना वाक्य इस तरह शुरू करें:
“जब से मैं यीशु से मिला हूँ, मैं...”

यहाँ एक ए.डी. उदाहरण दिया गया है:
“जब से मैं यीशु से मिला हूँ, मुझे नया उद्देश्य,
नया आनंद, और यह विश्वास मिला है कि मरने
के बाद मैं स्वर्ग जा सकता हूँ।”

तीन विशेषण खोजें जो यीशु द्वारा आपके जीवन
में किए गए सकारात्मक लाभों का
वर्णन करते हैं।

कुछ पल सोचिए।

जब आप अपने उत्तर लिखने के लिए तैयार हों,
तो पृष्ठ १८ पर जाएँ।



यदि मैं यीशु से कभी नहीं मिला होता, तो मैं...

कल्पना कीजिए कि यीशु को जाने बिना आपका जीवन कैसा होगा। यह भयावह लगता है, है न? निश्चित रूप से आपको वे आशीषें नहीं मिलेंगी जिनका वर्णन आपने ए.डी. में किया है।

आइये अपनी कहानी को इस बात से समाप्त करें कि यदि आप यीशु से कभी नहीं मिले होते तो आपका जीवन कैसा होता। जब आप बोलेंगे तो श्रोता आपके दिल की बात सुनेगा। कुछ लोग कहते हैं कि उनका जीवन खाली, अर्थहीन होगा या फिर अभी भी उद्देश्य की तलाश में होगा। कुछ लोग कहते हैं कि वे जेल में होंगे, नशे में होंगे, तलाकशुदा होंगे, या यहाँ तक कि मर भी जाएँगे।

ज़िंदगी बिल्कुल अलग होगी।



जब आपकी बात पूरी हो जाए तो उन्हें सुनने के लिए धन्यवाद दें।

मुझे बताया गया है कि एक औसत व्यक्ति अपना जीवन मसीह को समर्पित करने से पहले सुसमाचार को 7 बार सुनता है। हमारा तात्कालिक लक्ष्य उन्हें मसीह के लिए जीतना नहीं है, बल्कि आपकी गवाही से बीज बोना है। इससे ज़्यादा कुछ भी एक बोनस है!

यदि वे अधिक बातचीत करने के लिए तैयार हों तो आप उनके प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं। बस सिद्धांत पर चर्चा में मत पड़ो। आपकी कहानी की ताकत बस अपने दिल की बात कहने में है। यह उस अंधे आदमी की तरह है जिसने कहा, "मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं; मैं एक बात जानता हूँ कि मैं अंधा था और अब देखता हूँ।" (यूहन्ना ९:२५)

अपना उत्तर पृष्ठ १९ पर लिखें:
**अगर मैं यीशु से कभी नहीं
मिला होता, तो मैं...**



एक
मिनट गवाह

यीशु से पहले
(बी.सी.)

इस वाक्य को तीन विशेषणों या
वाक्यांशों के साथ समाप्त करें:

“मेरे जीवन में एक समय ऐसा भी था जब...”

१. _____

२. _____

३. _____



एक
मिनट गवाह

मोड़
(टी.पी.)

आपका मोड़ क्या था?

१. आपने यीशु के बारे में कैसे सुना?
"और फिर एक दिन..."

२. इस वाक्य को समाप्त करें:

"जब मुझे एहसास हुआ कि यीशु मेरे पापों के लिए मरा और फिर से जी उठा, तो मैंने उसे आमंत्रित किया..." _____



एक
मिनट गवाह

निर्णय के बाद
(ए.डी.)

यीशु ने आपके जीवन में जो सकारात्मक
लाभ किए हैं, उनका वर्णन करें।

“जब से यीशु से मिला हूँ, मैं...”

१. _____

२. _____

३. _____



एक
मिनट गवाह

“अगर मैं कभी यीशु से
नहीं मिला होता, तो मैं...”

मसीह के बिना आपका जीवन कैसा होगा?

“यदि मैं यीशु से कभी नहीं मिला होता, तो मैं...”

“सुनने के लिए धन्यवाद।
यही यीशु आपसे
बहुत-बहुत प्यार करता है!”



एक
मिनट गवाह

इसे और आगे ले जाते हुए...

एक मिनट गवाह™ साझा करने के बाद, आप उनसे निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं:

१. "तो आपके क्या हाल है? अगर आज रात तुम्हारी मौत हो जाए, तो क्या तुम्हें लगता है कि तुम स्वर्ग जाओगे?"
२. "आप क्या सोचते हैं कि कोई स्वर्ग कैसे पहुँचता है?"
३. "क्या मैं आपको बता सकता हूँ कि बाइबल कैसे कहती है कि आप जान सकते हैं कि आप स्वर्ग जा रहे हैं?"

यदि उनका उत्तर "हाँ" है, तो '१,२,३' का परिचय दें।



एक

मिनट गवाह

१. मान लो कि मैंने गलत काम किया है और मेरा पाप मुझे पवित्र परमेश्वर से अलग करता है। (रोमियों ३:२३)
२. विश्वास करो कि यीशु मसीह ने मुझे क्षमा करने के लिए अपनी जान दी और फिर जी उठे, जिससे यह साबित होता है कि वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है।
(रोमियों १०:९-१०)
३. अपने पापों को स्वीकार करें और यीशु से प्रार्थना करें कि वह मेरे जीवन का अगुवा और उद्धारकर्ता बने।
(१ यूहन्ना १:९)

यदि वे '१,२,३' को समझते हैं, तो यह महत्वपूर्ण प्रश्न पूछें:
"आज आपको अपना जीवन पूरी तरह से यीशु मसीह को समर्पित करने से क्या रोकेगा?"

अगर उन्हें रोकने वाला कुछ भी नहीं है, तो उनसे पूछें,
"क्या आप परमेश्वर की मदद से बाइबल में बताए गए 'पाप' से मुँह मोड़कर रोज़ाना यीशु का अनुसरण करने के लिए तैयार हैं?"

२१



एक
मिनट गवाह

अपनी कहानी कैसे खत्म करें...

यदि वे "हाँ" कहते हैं, तो उनसे कहें कि वे आपके द्वारा अभी सीखे गए '१,२,३' या 'उद्धार की कविता' का उपयोग करते हुए हृदय से प्रार्थना करें।

[इसे पृष्ठ २५ पर देखें]

जब वे काम पूरा कर लें, तो उन्हें बधाई दें और उन्हें तीन चीजों की ओर इंगित करें: प्रतिदिन बाइबल पढ़ना, प्रतिदिन प्रार्थना करना, प्रति सप्ताह बाइबल पर विश्वास करने वाले कलीसिया में जाना। ईमेल और फ़ोन नंबरों का आदान-प्रदान करें, और उन्हें बधाई देने के लिए २४ घंटे के भीतर उनसे फिर से संपर्क करें।

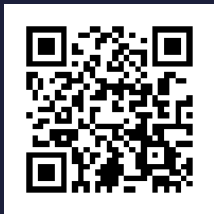



एक
मिनट गवाह

जब आप उन्हें बुलाएं, तो उनसे कहें कि वे यूहन्ना ३:१६-१७ पढ़कर सुनाएं, और फिर उनसे पूछें कि इसका उनके लिए क्या अर्थ है। उनसे पूछें कि आप उनके लिए कैसे प्रार्थना कर सकते हैं, और उन्हें अपने साथ कलीसिया या अपने छोटे समूह में चलने के लिए आमंत्रित करें।

उन्हें देने के लिए हमारी
अनुवर्ती वेबसाइट यहां है:

frostygrapes.com





“प्रभु, मैं आज उपलब्ध हूँ।
कृपया आज मुझे अपना जीवन साझा
करने का अवसर प्रदान करें। आमीन।”



एक
मिनट गवाह

२४



एक
मिनट गवाह

उद्धार की कविता

क्रूस पर यीशु आपने प्राण दिये
फिर जी उठे हमें बचाने को
मेरे पापों को क्षमा करो
आओ मसीह, प्रभू मेरे दोस्त बनो
बदलो जीवन और नया करो
आप में जियूं, मेरी मदद करो

गाना यहां सुनें

ONEMINUTEWITNESS.ORG



उद्धार की कविता। लेखक:

मैट और शेरी मैकफर्सन। © 2004

by The Salvation Poem Foundation, Inc.

ALL RIGHTS RESERVED.

WWW.THESALVATIONPOEM.COM

२५



एक
मिनट गवाह

प्रशिक्षकों के लिए उपकरण

१. **करुणा का परिचय दें**
संदर्भ मत्ती ९:३६।
२. **याद करने के लिए १ मिनट दें**
उन्हें ५ उंगलियाँ सीखने में मदद करें (पृष्ठ ५)।
३. **एक मिनट गवाह™ को प्रशिक्षित करें**
एक बार में एक उंगली से काम करें:
 - उस उंगली के लिए पुस्तिका से पृष्ठ को जोर से पढ़ें।
 - उस उंगली के लिए अपना उदाहरण/गवाह साझा करें।
 - उनका जवाब लिखें और उन्हें सोचने के लिए १ मिनट का मौन दें।
 - तीन लोगों का साक्षात्कार लें और सुनें कि उन्होंने क्या लिखा है।
 - उन्हें अपने साथी के साथ अभ्यास कराएं।
४. **अपनी पूरी कहानी का प्रदर्शन करें** — अपना पूरा एक मिनट गवाह™ उदाहरण के रूप में साझा करें।
५. **साथी के साथ साझा करना** — सभी से कहें कि वे अपनी पूरी कहानी अपने साथी के साथ साझा करें।
६. **इसे बदलें**
एक नए साथी के साथ फिर से अभ्यास करें।
७. **इसे आगे बढ़ाएँ**
पृष्ठ २०-२१ एक साथ पढ़ें।



एक
मिनट गवाह

प्रशिक्षकों के लिए उपकरण

८. ट्रेन आवेदन — ये ३ प्रश्न पूछें:

- ए. कितने लोग एक मिनट गवाह™ को समझते हैं?
- बी. सेमिनार के बाहर कितने लोग इस उपकरण का उपयोग कर सकते हैं?
- सी. हमें इसका इस्तेमाल कब शुरू करना चाहिए — अगले साल? अगले महीने? कब?

९. आवेदन के लिए निर्देश

“अब हम सब बाहर जाएँगे...”

- ए. प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम ४ लोगों के साथ साझा करना चाहिए।
- बी. [समय डालें] पर वापसी।
(हम ६०-७५ मिनट का सुझाव देते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे व्यस्त सार्वजनिक क्षेत्रों से कितने करीब हैं।)

१०. लौटने के बाद

३ लोगों से उनकी पसंदीदा कहानी साझा करने के लिए कहें।

११. २१-दिन की चुनौती — पूछें कि कौन सी टीम २१ दिनों तक साझा करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उन्हें अपने साथी को रोज़ाना टेक्स्ट या कॉल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

१२. अगले चरण — उन्हें अगले महीने के प्रशिक्षण में किसी मित्र को लाने के लिए आमंत्रित करें।

२७



उन लोगों में शामिल हों जो अपनी विश्वास को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए गंभीर हैं। अपनी कहानी ऑनलाइन लिखें और आज ही साझा करें!

एकमिनटगवाह.ORG

वाचा का राजदूत बनो, हमारे ब्लॉग से जुड़ें और ओएसिसगिफ्ट्स.ORG पर मुफ्त उपहार पाएँ

पुस्तकें, संगीत और उपकरण
आपकी गवाही को प्रेरित करने के लिए!

Oasis
WORLD MINISTRIES

PO BOX 58
CHAMPLIN, MN
55316 USA

इस एक मिनट गवाह™ पुस्तिका को मँगाने के लिए कृपया इस वेबसाइट पर जाएँ:

oasisworldministries.org या
ई-मेल करें: info@oasiswm.org

© 2009, revised 2025, Oasis World Ministries.
टॉम एली और ओएसिस वर्ल्ड मिनिस्ट्रीज़ द्वारा लिखित।
सर्वाधिकार सुरक्षित। ओएसिस वर्ल्ड मिनिस्ट्रीज़ की लिखित
अनुमति के बिना इस पुस्तिका के किसी भी भाग में किसी
भी प्रकार का परिवर्तन या पुनरुत्पादन नहीं किया जा
सकता।

Version 19.6UDT HINDI.

२८